Toppersnotes®
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Board of Secondary Education, Rajasthan (RBSE)

भाग - 1

हिन्दी

SIERRA
INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	तत्सम – तद्भव शब्द	1
2	देशज शब्द	3
3	पर्यायवाची	7
4	विलोम शब्द	9
5	अनेकार्थक शब्द	15
6	उपसर्ग	18
7	प्रत्यय	27
8	संधि	35
9	समास	51
10	संज्ञा	57
11	सर्वनाम	59
12	विशेषण	60
13	अव्वय – अविकारी शब्द	61
14	वाक्य के लिए एक शब्द	64
15	वर्तनी शुद्धि	70
16	वचन	83
17	काल	84
18	लिंग	86
19	वाक्य रचना	89
20	वाक्य विचार	93
21	मुहावरे	101
22	लोकोक्तियाँ	107
23	विराम चिन्ह	110

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	पद बंध	113
25	पद परिचय	115
26	काव्य मे भाव, विचार, शिल्प, नाद सौन्दर्य, जीवन दृष्टि की पहचान	117
27	राजस्थानी शब्दों के हिन्दी रूप	119
28	राजस्थानी मुहावरे व लोकोक्तियाँ	125
29	राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ	131
30	हिन्दी शिक्षण	135
31	हिन्दी शिक्षण विधि	138
32	भाषा–शिक्षण उपागम	146
33	भाषा दक्षता का विकास	148
34	भाषा कौशल	150
35	शिक्षण के अन्य कौशल	153
36	भाषा–शिक्षण में चुनौतियाँ	155
37	शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य पुस्तक, बहुमाध्यम, अन्य संसाधन	156
38	आंकलन	160
39	सतत् एवं समग्र मूल्यांकन	165
40	निदानात्मक और उपचारात्मक शिक्षण	167

1
CHAPTER

तत्सम - तद्भव

तत्सम शब्द

वैसे शब्द, जो संस्कृत और हिंदी दोनों भाषाओं में समान रूप से प्रचलित है । अंतर केवल इतना है कि संस्कृत भाषा में वे अपने विभक्ति - चिह्नों या प्रत्ययों से युक्त होते है और हिंदी में वे उनसे रहित। जैसे-

संस्कृत में कर्पूरः, पर्यङ्कः, फलम् ज्येष्ठः

हिंदी में कर्पूर पर्यङ्क, फल ज्येष्ठ

तद्भव शब्द

(उससे भव या उत्पन्न) वैसे शब्द, जो तत्सम से विकास करके बने हैं और कई रूपों में वे उनके (तत्सम के) समान नजर आते हैं। जैसे-

कर्पूर > कपूर

पर्यङ्क > पलंग

अग्नि > आग आदि ।

नोट - नीचे तत्सम-तद्भव शब्दों की सूची दी जा रही है इन्हें देखे और समझने की कोशिश करें कि इनमें समानता-असमानता क्या है?

तत्सम-तद्भव

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
अश्रु	आँसू	इक्षु	ईख
कर्पूर	कपूर	गोधूम	गेहूँ
घोटक	घोडा	आम्र	आम
उलूक	उल्लू	काष्ठ	काठ
ग्राम	गाँव	घृणा	घिन
अग्नि	आग	उष्ट्र	ऊँट
कोकिल	कोयल	गर्दभ	गधा
चर्मकार	चमार	अंध	अंधा
कर्ण	कान	क्षेत्र	खेत
गंभीर	गहरा	चन्द्र	चाँद
ज्येष्ठ	जेठ	धान्य	धान
पत्र	पत्ता	पौष	पूस
भल्लूक	भालू	श्वसुर	ससुर
श्रेष्ठी	सेठ	सुभाग / सौभाग्य	सुहाग
कर्म	काम	हास्य	हँसी
स्नेह	नेह	कूप	कुआँ
लोक	लोग	कातर	कायर
कुठार	कुल्हाडा	शिक्षा	सीख
शाक	साग	पक्व	पक्का

गणना	गिनती	इष्टिका	ईंट
श्वश्रू	सास	काक	काग
विष्ठा	बीठ	भित्ति	भीत
कज्जल	काजल	शर्करा	शक्कर
दुर्बल	दुबला	उन्मना	अनमना
चित्रक	चीता	कुंभकार	कुम्हार
भिक्षा	भीख	कोटि	करोड
गात्र	गात	मालिनी	मलिन
अगम्य	अगम	नव्य	नया
ताम्र	ताँबा	पौत्र	पोता
प्रस्तर	पत्थर	शय्या	सेज
मृत्यु	मौत	स्तन	थन
शृगाल	सियार	मस्तक	माथा
स्वामी	साई	हरिद्रा	हल्दी
चंचु	चोंच	अपूप	पूआ
प्रिय	पिया	श्रृंखला	सौकल
कारवेल	करेला	चतुष्पादिका	चौकी
मृतिका	मिट्टी	अर्द्धतृतीय	ढाई
पर्यंक	पलंग	शुष्क	सूखा
कूट	कूडा	क्षीर	खीर
खर्पर	खपरा	घट	घडा
चणक	चना	काया	काय
पक्ष	पंख	सप्त	सात
अक्षत	अच्छत	भाग्नेय	भांजा
भ्राता	भाई	यजमान	जजमान
कुष्ठ	कोढ	धैर्य	धीरज
धूम्र	धुआँ	प्रतिच्छाया	परछाई
श्रावण	सावन	तैल	तेल
निद्रा	नींद	पीत	पीला
बधिर	बहरा	मित्र	मीत
शत	सौ	शिर	सिर
स्वर्णकार	सुनार	सूर्य	सूरज
हस्त	हाथ	अम्बा	अम्मा
कार्य	काज	जिह्वा	जीभ
आश्रय	आसरा	चूर्ण	चूना
सायम्	साँझ	त्वरित	तुरंत
चटका	चिडिया	सत्य	सच
सपत्नी	सौत	कपाट	किवाड
अष्ट	आठ	लक्ष	लाख
श्यामल	साँवला		

धरित्री	धरती	अक्षर	आखर
वायु	बयार	उच्च	ऊँचा
अवतार	औतार	दधि	दही
याचक	जायक	ग्राहक	गाहक
उपवास	उपास	अट्टालिका	अटारी
निर्वाह	निवाह	कुक्षि	कोख
दंत	दाँत	पद	पैर
पृष्ठ	पीठ	वानर	बन्दर
मुख	मुँह	श्वास	साँस
दश	दस	स्वर्ण	सोना
गौरी	गोरी	हस्ती	हाथी
तिक्त	तीता	चतुर्दश	चौदह
मयूर	मोर	केतक	केवडा
सर्षप	सरसों	स्वप्न	सपना
हास	हँसी	उद्वर्तन	उबटन
वचन	बचन	परशु	फरसा
सर्प	साँप	शलाका	सलाई
रात्रि	रात	वत्स	बच्चा
क्षुर	छूरा	दुग्ध	दूध
पूर्णिमा	पूनम	सर्व	सब
मौक्तिक	मोती	आशिष	आसीस
चक्रवाक	चकवा	श्वसुराल्य	ससुराल
घृत	घी	कंकण	कंगन
गिद्ध	गीध	भक्त	भगत
कांचन	कंचन	गर्भिणी	गाभिन
यशोदा	जसोदा	चरित्र	चरित
अभीर	अहीर	फाल्गुन	फागुन
श्याली	साली	योद्धा	जोधा

पक्षी	पंछी	अंजलि	अँजुरी
दंतधावन	दातुन	जव	जौ
छिद्र	छेद	जामाता	जमाई
यश	जस	सूचि	सूई
रात्रि	रात	अद्य	आज
ओष्ठ	होंठ	कुक्कुर	कुत्ता/कुकुर
अक्षर	अच्छर (आखर)	अमृत	अमिय
आश्चर्य	अचरज	अक्षत	अच्छत
		आशा	आस
		उत्साह	उछाह
अनुर्वर	ऊसर	ऊषर	ऊसर
		कुपुत्र	कपूत
कांस्यकार	कसेरा	कर्कट	केवडा
क्षत्रिय	खत्री		
ग्रंथि	गांठ	गोस्वामी	गोसाई
चौर	चोर	छाया	छाह
दीपावली	दीवाली	नियम	नेम
पंक्ति	पंगत	पक्षी	पंछी
प्रहर	पहर	पत्रिका	पाती
मित्र	मीत	मुख	मुँह
श्मश्रु	मूँछ	मेघ	मेह
साक्षी	साखी	स्वप्न	सपना
हस्ति	हाथी	हृदय	हिय
		वज्रांग	बजरंग
वृक्ष	बिरख	अज्ञान	अजान
अनशन	अनसन	यजमान	जजमान

Unleash the topper in you

2 CHAPTER देशज शब्द

- देशज शब्द वे शब्द शब्द वे शब्द हैं जिनका जन्म देश में ही हुआ है।
- देशज शब्द की एक विशेषता यह भी है कि उसमें लोक या अंचल की संस्कृति की महक महसूस की जा सकती है।
- भारत में दूसरी भाषा से लिये गए शब्द भी देशज कहलाएंगे अगर उस भाषा का जन्म भारत में हुआ हो।

प्रमुख देशज शब्द

द्रविड़ भाषाओं से	अपने गठन से (मनगठित शब्द)
ओसारा, कच्चा, कज्जल, कटोरा, काका, केड, कुटी, कुप्पी, केतकी, चक्का, चिकना, चूड़ी, झंझा, झूठ, टंटा, टोपी, ठेस, डंका, नीर,पिंड, पेट, भंगी, माला, मीन, मुकुट, लाठी, लोटा, सूजी, इडली, डोसा, सांभर, पिल्ला आदि।	अनुकरणात्मक या ध्वन्यात्मक शब्द–अंडबंड, ऊटपटांग, कड़क, किलकारी, खटपट, खर्राटा, गड़गड़, चटक, चटपटा, चिड़चिड़ा, चुटकी, छिछला, झंकार, टंकार, ठठेरा, भभक, भोंपू, कटकटाना, खटखटाना. खुरचना, घुड़की, सनसनाहट, हिनहिनाना आदि।
कोल, संथाल भाषाओं से – कपास, कोड़ी, पान, परवल, बाजरा, सरसों।	

विदेशज शब्द

- विदेशज शब्द वे शब्द हैं जो हमारे देश में नहीं उपजे बल्कि सांस्कृतिक आदान–प्रदान की प्रक्रिया में हिंदी भाषा में स्वीकार किये गए हैं।
- हालाँकि विदेशज और देशज, दोनों ही प्रकार के शब्द दूसरी भाषाओं से संबद्ध होते हैं, किंतु देशज शब्दों का संबंध इसी देश की भाषाओं और विदेशज का विदेशी भाषाओं से होता हैं।

प्रमुख विदेशज शब्द

तुर्की शब्द	उर्दू, काबू, कैंची, कुली, कुर्की, चाकू, चिक, चम्मच, चकमक, चेचक, तमगा, तलाश, तुर्की, तोप, तोशक, नौकर, बारूद, बहादुर, बेगम, मुगल, लफंगा, लाश, सराय, सुराग।
अरबी शब्द	अजब, अजीब, अदालत, अक्ल, अल्लाह, असर, आखिर, आदमी, आफत, अमीर, इनाम, इजलास, इरजत, इलाज, ईमान, उम्र, एहसान. औरत, औसत, कब्र, कमाल, कर्ज, किस्मत, कालीन, कीमत, किताब, कुरसी, खत, खत्म, खिदमत, ख्याल, जिस्म, जुलूस, जलसा जवाब, जहाज, जलेबी, ज़िक्र, तमाम, तकदीर, तारीख, तकिया, तरक्की, दवा, दावा, दिमाग, दुनिया, नतीजा, नहर, नकल, फकीर, फिक्र, फैसला, बहस, बाकी, मुहावरा, मदद, मजबूर, मुकदमा, मौसम, मौलवी, मुसाफिर, यतीम, राय, लिफाफा, बारिस, शराब, हक, हजम, हाजिर, हिम्मत, हुक्म, हैजा, हौसला, हकीम, हलवाई। अरबी भाषा के शब्द (ट्रिक) – एक अजीब आदमी, औरत के साथ अपनी औलाद का इलाज करानें के लिए तहसिल व जिले के मशहुर वकील के पास गये जो कानून की किताब लिए दुनिया की अदालत में अक्ल के नशे में कुर्सी की ताकत पर दौलत को ठुकराकर तारीख का तमाशा खत्म कर फकीर की मदद के मकसद से लिफाफे में बंद फैसला बहस मुक्त सुनाया जिससे जलेबी के हलवाई हुक्मा की हिम्मत बढ़ गई।
फ़ारसी शब्द	आबरू, आतिशबाजी, आराम, आमदनी, आवारा, आवाज़, उम्मीद, उस्ताद, चापलूस, कारीगर, किशमिश, कुरता, कुश्ती, कूचा, खाक, खुद, खुदा, खामोश, खुराक, गरम, गज, गवाह, गिरफ्तार, गिर्द, गुलाब, चादर, चालाक, चश्मा, चेहरा, जहर, जलसा, जूलूस. जोर, जिंदगी, जागीर, जादू, जुरमाना, जोश, तबाह, तमाशा, तनखाह, ताजा, तेज, दंगल, दफ्तर, दरबार, दारोगा, दवा, दिल, दीवार, दूकान, नापसंद, नापाक, पाजामा, परदा, पैदा, पुल, पेश, बारिश, बीमार, बुखार, बी, मज़ा, मलाई, मकान, मजदूर,

	मुश्किल. मोरचा, याद, यार, रंग, राह, लगाम, लेकिन, वापिस, शादी, सितार, सरदार, समोसा, साल, सरकार, हफ्ता, हजार।
अंग्रेजी शब्द	अपील, कोर्ट, मजिस्ट्रेट, जज, पुलिस, टैक्स, कलक्टर, डिप्टी, ऑफ़िसर, वोट, पेंशन, कॉपी, पेंसिल, पेन, पिन, पेपर, लाइब्रेरी, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, डॉक्टर, कंपाउंडर, नर्स, ऑपरेशन, वार्ड, प्लेग, मलेरिया, कालरा, हार्निया, डिप्थीरिया, कैंसर, कोट, कॉलर, पैंट, हैट, शर्ट, स्वेटर, हैट, बूट, जंपर, ब्लाउज, कप, प्लेट, जग, लैंप, सूटकेस, गैस, माचिस, केक, टॉफ़ी, बिस्कुट, टोस्ट, चॉकलेट, जैम, जेली, ट्रेन, बस, कार, मोटर, लारी, स्कूटर, साइकिल, बैटरी, ब्रेक, इंजन, यूनियन, रेल, टिकट, पार्सल, पोस्ट कार्ड, मनी ऑर्डर, स्टेशन, ऑफ़िस, क्लर्क, गार्ड, एजंट।
अन्य भाषाओं के	चीनी शब्द – चाय, लीची, लोकाट, तूफान, चीनी भाषा के शब्द ट्रिक – चीन में लोकाट नामक तूफान आया जिसे चाय, लीची की फसल नष्ट हो गई। जापानी शब्द– झम्पान, रिक्शा, सायोनास, सुनामी। जापानी भाषा के शब्द ट्रिक – जापान में सायोनास सुनामी के समय रिक्सा चलाने वालें को झांप लगा दी जाती है। पुर्तगाली शब्द– अनन्नास, आलपीन, गमला, गिरजा, चाबी, नीलाम, पपीता, अचार, अगस्त, आलू, इस्पात, कनस्तर, कारबन, कमीज, कमरा, गोभी, गोदाम, पीपा, बस्ता, बटन, पतलून, मेज, लबादा, संतरा, साबुन, पाव(रोटी), पादरी, बंबा, बाल्टी, फीता, आलमारी। पूर्तगाली भाषा के शब्द ट्रिक –पादरी का लड़का आया गोदाम में बनें कमरे को गमले में रखी चाबी से खोलकर बस्ता मेज पर रखा नीले कमीज के बटन खोले, पतलून उतारकर तौलिया लपेटा फीता निकाला कनस्तर में कार्बन युक्त साबुन से हाथ थाकर अलमारी पर रक्खे आलू, गोभी, पपीता, अन्नानास, के अचार को पाव (रोटी) के साथ इस्पात के आलपीन से खाया। फ्रेंच शब्द – अंग्रेज़, कारतूस, कूपन, फ्रांसीसी, रेस्तरां, काजू, सूप, मेयर, मार्शल। भाषा के शब्द ट्रिक – अंग्रेज मेयर (मार्शल) कूपन में निकला कारतूस लेकर काजू व सूंप खाने रेस्तरांन में आया। डच शब्द– तुरुप, बम (ताँगे का एक पुरजा), चिडिया, ड्रिल।

संकर शब्द

कुछ शब्द दो भाषाओं के मिलने से बन जाते हैं, जिन्हें संकर शब्द कहा जाता है। सामान्यतः इनका विवेचन कम ही किया जाता है किंतु कुछ विद्वान इन्हें स्वीकृति प्रदान करते हैं। ऐसे कुछ शब्द इस प्रकार हैं।

थानेदार (हिंदी + फारसी) परदानशीन (अरबी + फारसी) वर्षगाँठ वर्ष (संस्कृत) गाँठ (हिंदी)
वोटदाता (अंग्रेजी + तत्सम) लाजशरम (हिंदी + फारसी) जाँचकर्ता (फारसी + हिंदी)
फैशन परस्त (अंग्रेजी + फारसी) मोटरगाड़ी (अंग्रेज़ी + देशज) बेढंगा (फारसी + हिंदी) बदहज़मी (फारसी + अरबी) रेल यात्री (अंग्रेजी + संस्कृत) बे आब (फारसी + अरबी) नेक नीयत (फारसी + अरबी) टिकटघर (अंग्रेजी + हिंदी)

(2) रचना के आधार पर – नए शब्द बनाने के प्रक्रिया के आधार पर शब्दों के तीन भेद किए जाते हैं –

(i) रूढ़ शब्द (ii) यौगिक शब्द
(iii) योगरूढ़ शब्द

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(i) रूढ शब्द – वे शब्द जो किसी व्यक्ति, स्थान, प्राणी, वस्तु के लिए वर्णों से प्रयुक्त होनें के कारण किसी विशिष्ट अर्थ में प्रचलित हो गयें हैं, 'रूढ' शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों में अर्थ की एक ही इकाई होती है। तथा इनका कोई अन्य अर्थ भी नहीं निकलता है।
जैसे – पेड़, पत्थर, देवता, आकाश, मेढ़क, स्त्री, गाय, रोटी, दूध, पानी, फल, बकरी, आदमी, औरत, चिड़िया।

(ii) योगिक शब्द – वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों से बने हैं । इन शब्दों का अपना अलग से अर्थ भी होता है। किंतु मिलकर संयुक्त अर्थ का बोध कराते हैं उन्हे योगिक शब्द कहते हैं।
जैसे – विद्यालय (विद्या + आलय)
प्रेमसागर – (प्रेम + सागर)
प्रतिदिन (प्रति + दिन)
महर्षि – (महा + ऋषि)
दुधवाला (दूध + वाला)
राष्ट्रपति – (राष्ट्र + पति)

(iii) योगरूढ़ शब्द – वे यौगिक शब्द जिनका निर्माण पृथक–पृथक अर्थ देनें वालो शब्दों के योग से होता है। किन्तु वे आपस में मिलकर किसी एक विशेष अर्थ का प्रतिपादन करनें के लिए रूढ़ हो गए हैं, ऐसे शब्दों को योगरूढ़ शब्द कहते हैं।
जैसे – लम्बोदर लम्बा + उदर (बड़ा पेट) के योग से बना है किन्तु अपने मूल अर्थ से इतर इस शब्द का अर्थ (गणेश) रूढ़ है।

दशानन	(दस + आनन) –	(रावण)
पीताम्बर	(पीत + अम्बर) –	(विष्णु)
गजानन	(गज + आनन) –	(गणेश)
त्रिनेत्र	(त्रि + नेत्र) –	(शिव)
जलज	(जल + ज) –	कमल
घनश्याम	(घन + श्याम) –	(कृष्ण)
रजनीचर	(रजनी + चर) –	(राक्षस)
नग	(न + ग) –	पर्वत
चतुर्भुज	(चतुः + भुज) –	विष्णु
चतुरानन	(चतुर + आनन) –	ब्रह्म
इन्दुशेखर	(इन्दु + शेखर) –	शिव

(3) प्रयोग के आधार पर

प्रयोग अथवा रूप परिवर्तन के आधार पर हिंदी में शब्दों के दो भेद किए जाते हैं।

(i) **विकारी शब्द** – वे शब्द जिनका लिंग, वचन, काल, पुरूष कारक के अनुसार रूप परिवर्तन हो जाता है, विकारी शब्द कहलाते हैं। विकारी शब्दों में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया शब्द आते हैं।

(ii) **अविकारी शब्द या अव्यय शब्द** – वे शब्द जिनका लिंग, वचन, काल, पुरूष, कारक के अनुसार रूप परिवर्तित नही होता है, अवकारी या अव्यय शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों का रूप सदैव वही बना रहता है इसलिए उन्हें अव्यय शब्द कहा जाता है। अविकारी शब्दों में क्रिया, विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक तथा विस्मयादि बोधक आदि अव्यय शब्द आते हैं।

(4) अर्थ के आधार पर शब्दों के भेद

अर्थ के आधार पर शब्दों के निम्नांकित भाग किए गए हैं।

(i) एकार्थी शब्द – जिन शब्दों का अर्थ एक ही अर्थ में होता है उन्हे एकार्थी शब्द कहते हैं।
जैसे – लड़का, पहाड़, नदी, धूप, दिन

(ii) अनेकार्थी शब्द – जिन शब्दों के अर्थ एक से अधिक होते हैं। उन्हें अनेकार्थ शब्द कहते हैं। इनका प्रयोग अलग–अलग अर्थ में प्रसंगानुसार किया जाता है।
जैसे – कर, सारंग हरि, अज, अमृत आदि।

(iii) पर्यायवाची शब्द – वे शब्द जिनका अर्थ समान होता है, अर्थात् किसी शब्द के समान अर्थ की प्रतीति करने वाले अथवा अर्थ की दृष्टि से लगभग समानता रखने वाले शब्द पर्यायवाची कहलाते हैं। जैसे – अमृत, पीयूष, सुधा, अमिय, सोम आदि शब्द 'अमृत' के समानार्थी हैं अतः ये शब्द अमृत के पर्यायवाची शब्द हैं।

(iv) विलोम शब्द – एक–दूसरे का विपरीत अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं, जैसे – दिन–रात, माता–पिता आदि।

(v) सम उच्चरित शब्द या युग्म शब्द – ऐसे शब्द जिनका उच्चारण समान–सा प्रतीत होता है किन्तु अर्थ पूर्णतया भिन्न होता है उन्हें समानार्थी प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द अथवा 'युग्म–शब्द' कहते हैं।

जैसे – आदि–आदी।

'आदि' का अर्थ प्रारंभ है किंतु 'आदी' का अर्थ है आदत होना अथवा लत होना। इस प्रकार उच्चारण समान–सा प्रतीत होते हुए भी अर्थ भिन्न होता हैं।

(vi) शब्द समूह के लिए एक शब्द – जब किसी वाक्य, वाक्यांश या समूह का तात्पर्य एक शब्द द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है अथवा 'एक शब्द' मे उस वाक्यांश का अर्थ निहित हो, उसे 'शब्द समूह' के लिए 'एक शब्द' कहते हैं, जैसे – जहाँ जाना संभव न हो – अगम्य। जो अपनी बात से टले नहीं = अटल।

(vii) समानार्थक प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द – ऐसे शब्द जो प्रथम दृष्टया रचना की दृष्टि से समान प्रतीत होते हैं एवं अर्थ की दृष्टि से भी बहुत समीप होते हैं। किंतु उनके अर्थ में बहुत सूक्ष्म अंतर होता है तथा अलग संदर्भ में ही जिनका प्रयोग सम्भव है जैसे –

अस्त्र – फेंक कर वार किए जाने वाले हथियार, जैसे–तीर, भाला आदि।

शस्त्र – जिन हथियारों का प्रयोग हाथ में रखकर किया जाता है, जैसे – तलवार, लाठी, चाकू आदि।

(viii) समूहवाची शब्द – ऐसे शब्द जो एक समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं अथवा सामूहिक वस्तुओं का अर्थ प्रकट करते हैं उन्हें समूहवाची शब्द कहते हैं, जैसे –

गट्ठर – लकड़ी या पुस्तकों का समूह।

गुच्छा – चाबियों या अंगूर का समूह।

गिरोह – माफिया या चोर, डाकुओं का समूह।

रेवड़ – भेड़, बकरी या पशुओं का समूह।

इसी प्रकार झुंड, टुकड़ी, पंक्ति, माला आदि शब्द हैं।

(ix) ध्वन्यार्थक शब्द – ऐसे शब्द जिनका अर्थ ध्वनि पर आधारित हो, उन्हें ध्वन्यार्थक शब्द कहते हैं।

इनको निम्नांकित उपभेदों में बाँट सकते हैं –

पशुओ की बोलियाँ	**पक्षियों की बोलियाँ**	**जड़ पदार्थो की ध्वनियाँ**
दहाड़ना – शेर	पीऊ–पीऊ – मोर	कड़कना – बिजली
भौंकना – कुत्ता	काँव–काँव – कौआ	खटखटाना – दरवाजा
हिनहिनाना – घोड़ा	गुटर–गूँ – कबूतर	छुक–छुक – रेलगाड़ी
चिंघाड़ना – हाथी	कुकड़ू–कूँ – मुर्गा	खन–खनाना – सिक्के
मिमियाना – भेड़, बकरी	कुहुकना – कोयल	गरजना – बादल
रंभाना – गाय	चहचहाना – चिड़िया	
फुंफकारना – साँप		
टर्राना – मेढ़क		
गुर्राना – चीता		
म्याऊँ – बिल्ली		

Unleash the topper in you

3 CHAPTER पर्यायवाची

पर्याय का सामान्य अर्थ – 'समान' होता है।
अर्थात् – समान/सामान्य सा अर्थ वाला शब्द होता है।

जैसे –

शरीर	–	देह, तन, काया
सरस्वती	–	वाणी, वागीश्वरी, वीणाधारिणी, शारदा, वीणावादिनी
जल	–	नीर, वारि, अंबु, सलिल, पय, उदक, तोय
जहर	–	गरल, विष, हलाहल
तलवार	–	असि, खड्ग, कृपाण, चंद्रहास
पवन	–	अनिल, वात, वायु, समीर, हवा, बयार
पुष्प	–	फूल, सुमन, प्रसून, कुसुम
पुत्र	–	तनय, तनुज, आत्मज, सुत, नंदन, लाल
गणेश	–	एकदंत, गजानन, गजवदन, लंबोदर, विनायकए विघ्नराजए हेरम्ब
गाय	–	गऊ, गौ, गैया, सुरभी, पयस्विनी, धेनु
रावण	–	दशानन, लंकेश, लंकापति, दशकंध
राजा	–	नृप, भूप, महीप, नरेश, नृपति
पुत्री	–	तनया, तनुजा, बेटी, सुताए, आत्मजा,कन्या कुमारी
गंगा	–	सुरसरि, देवनदी, देवापगा, पुरन्दरा, भागीरथी, त्रिपाथगा, मंदाकनी, मोक्षदायिनी
यमुना	–	जमुना, कालिन्दी, रविसुता, अर्कजा
नदी	–	सरिता, शैलजा, तटिनी, गिरिजाए भागपा
कमल	–	अरविन्द, सरोज, उत्पल, कंज, पंकज, नीरज
कपड़ा	–	अंबर, चीर, वसन, वस्त्र, पट
खल	–	धूर्त, दुष्ट, दुर्जन, नीच, कुटिल, अधम, वृत्रहा, शिखी, शुचि, दाहक, पिंगल
अमृत	–	सुधा, पीयूष, सोम, मधु, अमिय, सुरभोग
अग्नि	–	आग, अनल, पावक, ज्वाला, कृशानु, वैश्वानर, धनंजय, धूमकेतु
अतिथि	–	अभ्यागत, आगंतुक, मेहमान, पाहुना
अरण्य	–	वन, कानन, जंगल, विपिन, अटवी, दाव, कांतार
ईश्वर	–	प्रभु, भगवान, परमेश्वर, ईश, जगदीश
अश्व	–	घोटक, घोड़ा, बाजि, सैंधव, तुरंग, हय
इन्द्र	–	देवराज, देवेन्द्र, सुरेश, सुरपति, सुरेन्द्र, वासव, पुरंदर
देवता	–	सुर, देव, अमर, निर्जर
किनारा	–	तट, तीर, कूल, पर्यंत
किरण	–	अंशु, मयूख, कर, मरीचि, रश्मि
उत्सव	–	समारोह, पर्व, जश्न, जलसा, त्योहार
अँधकार	–	तम, तिमिर, तमस, अँधेरा
आँख	–	नयन, नेत्र, दृग, लोचन, चक्षु, अक्षि
मित्र	–	सखा, साथी, सहचर, मीत
मेघ	–	जलद, घन, नीरद, वारिद, बादल, पयोधर, पयोद
कबूतर	–	रक्तलोचन, पारावत, हारिल, परेवा, कपोत
तोता	–	रक्ततुण्ड, सुआ, दाड़िमप्रिय, सुग्गा, कीर, शुक
माता	–	माँ, जननी, प्रसूता, धात्री
गज	–	हाथी, हस्ती, कुंजर, नाग, मतंग, करी, कुंभी, वितुण्ड, गयद
हिमालय	–	पर्वतराज, नगराज, हिमगिरी
अंक	–	आँकड़ा, क्रमांक, गिनती, चिह्न, प्रतीक, संख्या, संस्करण, अँकबार, आगोश, उपस्थ, क्रोड़, गोद, पहलू
सिंह	–	मृगराज, केसरी, वनराज, शेर, हरि
अँगुली	–	अंगारिणी, उँगली, दीधिति, शक्वरी
स्तन	–	उरोज, थन, कुच, पयोधर, वक्षोज
शिव	–	शंकर, पशुपति, महेश, हर, त्रिलोचन, त्रिनेत्र, रुद्र, चन्द्रचूड़, चन्द्रशेखर, उमापति, महादेव, नीलकंठ, भूतेश, स्मरारि, व्योमकेश, वामदेव
स्वर्ण	–	कनक, कुंदन, हेम, सुवर्ण, कंचन, सोना, हिरण्य
अटल	–	अडिग, अपरिवर्तनीय, अविचल, पक्का
शब्द	–	ध्वनि, रव, निनाद, घोष नाद, मुखर, स्वर
खेल	–	क्रीड़ा, करतब, तमाशा, केलि
अचल	–	अजंगम, अटल, अडिग, अवहनीय, अविचल, दृढ़, निश्चल, स्थावर, स्थिर
हस्त	–	हाथ, कर, बाहु , भुजा, पाणि
यमराज	–	सूर्यपुत्र, कीनाश, जीवितेश, श्राद्धदेव, कृतान्त, अन्तक, धर्मराज, दण्डधर
नौकर	–	दास, अनुचर, चाकर, सेवक, भृत्य, किंकर, परिचारक
घड़ा	–	घट, कलश, कुंभ, कुट
लक्ष्मी	–	रमा, कमला, इन्दिरा, सिंधुसुता, चपला, हरिप्रिया, श्री, पद्मा, विष्णुप्रिया, कमलासना
ब्रह्मा	–	चतुरानन, विधाता, विधि, कमलासन, विरंचि, स्वयंभू, स्त्रष्टा, लोकेश, धाता, प्रजापति, नाभिज
देवता	–	देव, सुर, अमर, वृन्दारक, अजर, निर्जर, विबुध, अमर्त्य, आदित्य
दानव	–	दैत्य, असुर, निशाचर, दनुज, राक्षस, तमचर, रजनीचर
आकाश	–	अंतरिक्ष, अंबर, अनंत, अभ्र, आसमान, खगोल, गगन, फलक, तारापथ, दिव, दयु, नभ, नाक, पुष्कर, व्योम, शून्य

पार्वती – शिवा, गौरी, उमा, भवानी, अपर्णा, शैलसुता, गिरिजा, अम्बिका, शैलजा, हरप्रिया, दुर्गा, शिवानी

उत्पत्ति – उद्गम, उद्भव, जनन, जन्य, पैदाइश, व्युत्पत्ति, आरंभ, आविर्भाव, उदय, प्राकट्य, शुरुआत, मूल, स्त्रोत।

ईषिका – इषु, तीर, नाराच, पबि, पवि, बाण, शलाका, शायक

राधा – किशोरीष वृषभाजानुजा, राधिका, ब्रजरानी, कृष्णप्रिया, हरिप्रिया

किरण – मयूख, मरीचि, अंशु, रश्मि, कर, कला, गो, प्रभा, दीधिति

ऊसर – अनुपजाऊ, अनुर्वर, शस्यहीन

कामदेब – अंगज, अतनु, अदेह, अनंग, कंदर्प, कुसुमधन्वा, कुसुमशर, पंचशर, पुष्पधन्वा, प्रद्युम्न, मकरकेतु, मदन, मनसिज, मनोज, मन्मथ, मार, मीनकेतु, रतिपति, स्मर

मछली – मीन, मकर, मत्स्य, सफरी

स्त्री – नारी, औरत, वनिता, कांता, त्रिया, वामा, अबला, प्रमदा, रमणी, ललना

शराब – मदिरा, हाला, सुरा, कादम्बरी, मद्य, दारु, वारूणी

ओस – शबनम, तुषार, हिमकरण, हिमसीकर, हिमिका, हिमबिंदु

चंदन – मलय, मलयज, श्रीखंड, दिव्यगंध, हरिगंध, गंधसार

पति – भर्ता, भर्तार, कांत, स्वामी, वल्लभ, आर्यपुत्र

पत्नी – भार्या, दारा, गृहिणी, बहू, वधू, अर्द्धांगिनी, कलत्र, प्रियतमा

कृष्ण – अच्युत, अनंतजित, अर्जुनसखा, कंसारि, कन्हैया, कमलनयन, किशन, कुंजबिहारी, केशव, गिरधारी, गिरिधर, गोपाल, गोपीनाथ, गोपेश, घनश्याम, चक्रधर, चक्रपाणि, जदुबीर, दामोदर, द्वारकानाथ, द्वारिकाधीश, नंदनंदन, नंदलाल, पीतांबर, बनवारी, ब्रजवल्लभ, मधुकैटभारि, मधुरेश, मधुसूदन, माधव, मुकुंद, मुरलीधर, मुरारि, मोहन

कोयल – कलापी, काकली, कोकिला, पिक, बसंतदूत, वनप्रिय, श्यामा

गृह – अयन, अयनशाला, आगार, आलय, आवास, ओक, गेह, घर, धाम, निकेतन, निलय, निवास–स्थान, भवन, मंदिर, मकान, वास, शाला, सदन

जंगल – अटवी, अरण्य, अरण्यक, आरण्य, कांतार, कानन, गहन, दव, दाव, द्रुमालय, द्रुमिणी, प्रांतर, वन, वनखंड, वनस्थली, वल्लूर, विपिन, वीराना

झरना – उत्स, निर्झर, प्रपात, सोता

तालाब – सर, सरोवर, तड़ाग, पुष्कर, जलाशय, ताल, पद्माकर, जलाशय, सरसि, ह्रद

समुद्र – पयोधि, नीरधि, वारिधि, उदधि, जलधि, सिंधु, सागर, रत्नाकर, अब्धि, नदीश, पारावार।

निशा – रात, रात्रि,विभावरी, यामिनी, क्षपा, रैन, रजनी, शब, राका, तमा, शर्वरी, निशीथ, वामा, यमा

ब्राह्मण – द्विज, भूदेव, भूसुर, विप्र, अग्रजन्मा, महीदेव

पृथ्वी – भू, भूमि, अचला, अनन्ता, रसा, विश्वंभरा, स्थिरा, धरा, धरित्री, धरणी, क्षोणि, ज्या, काश्यरि, क्षिति, सर्वंसहा, वसुधा, उर्वि, वसुन्धरा, गोगा, कुः, क्षमा, अवनि, मेदिनी, जगती, सागर, अम्बरा

पर्वत – पहाड़, गिरि, अद्रि, भूधर, महीधर, अचल, शैल, नग, धरणीधर

पल्लव – कोंपल, किसलय, पर्ण, पत्ती, पात, पर्ण, दल

बिजली – विद्युत, शमा, चपला, तड़ित, दामिनी, धनदाम, बीजुरी, सौदामिनी, क्षणप्रभा

कमर – कटि, श्रोणि, मध्यंग

भौंरा – अलि, भ्रमर, मधुप, भृंग, षट्पद, मधुकर, द्विरेफ, चंचरीक, मिलिंद

बाण – शर, सायक, नाराच, विशिख, पंत्री, तीर, आशुग, शिलीमुख

हंस – मराल, चक्रांग, कलहंस, कारंडव, सरस्वतीवाहन

इच्छा – आकांक्षा, अभिलाषा, कामना, ईहा, लालसा

पक्षी – खग, पखेरू, विंहग, नभचर, शंकुत, द्विज

कर्ण – सूतपुत्र, अंगराज, सूर्यपुत्र, राधेय, कौन्तेय, पार्थ

अर्जुन – पार्थ, कौन्तेय, धनजय, सव्यसाची, गुड़केश, भारत, परन्तप, गाण्डीवधर, कुन्तिसुत, पांडुनंदन

पेड़ – तरू, विटप, द्रुम, पादप, गाछ, वृक्ष, सरोरूख, तरूवर

केला – कदली, रम्भा, भानुफल, मोचा, कुंजरासरा

गधा – गर्दभ, वैशाखनन्दन, खर, रासभ, धूसर, लम्बकर्ण

नाव – तरणी, तरी, नैया, नौका, जलयान, नौ, बेड़ी, पतंग

चोर – तस्कर, दस्यु, रजनीचर, मोषक, खनक, साहसिक

कुबेर – किन्नरेश, धनद, धनाधिप, राजराज, यक्षराज

चाँद – अमृतनिधान, इंदु, कलानाथ, क्षपाकर, चंद्र, चंद्रमा, तारकेश्वर द्विजराज, निशाकर, निशानाथ, मृगलांछन, मृगांक मंयक, महताब, राकापति, राकेश, रजनीपति, विधु, शशांक, शशि, सुधांशु, सोम, हिमांशु

जगत् – जग, जगती, जहान, दुनिया, भव, विश्व, संसार

तिरस्कार – अपमान, अवमानना, उपेक्षा, निरादर, बेइज्ज़ती

4 CHAPTER

विलोम – शब्द

किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
जैसे – (अमृत – विष), (दिन – रात)

(अ, आ) –

शब्द	विलोम
अमृत	विष
अन्धकार	प्रकाश
अनुराग	विराग
आगामी	गत
अनुज	अग्रज
अधिक	न्यून
अपेक्षा	उपेक्षा
आहार	निराहार
आमिष	निरामिष
आजादी	गुलामी
आर्द्र	शुष्क
अनिवार्य	वैकल्पिक
अगम	सुगम
आकाश	पाताल
अनुग्रह	विग्रह
आश्रित	निराश्रित
आदान	प्रदान
आयात	निर्यात
आग्रही	दुराग्रही
आदर्श	अनादर्श
अक्सर	कभीकभार
अनुलोम	प्रतिलोम / विलोम
आगामी	विगत
अतल	वितल
आधार	निराधार
अंतर्मुखी	बहिर्मुखी
आभ्यन्तर	बाह्य
आदत्त	प्रदत्त
अन्तरंग	बहिरंग
अनाहूत	आहूत
अत्यधिक	अत्यल्प

शब्द	विलोम
अथ	इति
अल्पायु	दीर्घायु
आदि	अंत
आकर्षण	विकर्षण
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अनुकूल	प्रतिकूल
अल्प	अधिक
अमृत	विष
अभिमान	नम्रता
आशा	निराशा
अपमान	सम्मान
अकाल	सुकाल
आरंभ	अंत
आदर	अनादर
अनुपस्थित	उपस्थित
आदि	अनादि
अस्त	उदय
अनुरक्ति	विरक्ति
आकुंचन	प्रसारण
आच्छादित	अनाच्छादित
आगम	लोप
अनेक	एक
आशा	निराशा
आतुर	अनातुर
अपना	पराया
अवनति	उन्नति
आरोह	अवरोह
अघ	अनघ
अवर	प्रवर
अर्पित	गृहीत

शब्द	विलोम
अंगीकार	अस्वीकार
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक
आधुनिक	प्राचीन
अधुनातन	पुरातन
आकाश	पाताल
आकीर्ण	विकीर्ण
आसक्त	अनासक्त
अतुकान्त	तुकान्त
अधः	उपरि
अधम	उत्तम
अज्ञ	विज्ञ

अनैक्य	ऐक्य
आवश्यक	अनावश्यक
आवृत	अनावृत
अकाम	सुकाम
अर्पण	ग्रहण
अति	अल्प
अधिकारी	अनाधिकारी
अग्र	पश्च
अन्तर्द्वन्द	बहिर्द्वन्द

अर्थी	प्रत्यर्थी

(इ, ई) –

शब्द	विलोम
इच्छा	अनिच्छा
इच्छित	अनिच्छित

शब्द	विलोम
इष्ट	अनिष्ट
इसका	उसका

शब्द	विलोम
इहलोक	परलोक
इकट्ठा	अलग

(उ, ऊ,) –

शब्द	विलोम
उदात्त	अनुदात्त
उर्ध्व	निम्न
उधार	नकद
उपाय	निरुपाय

शब्द	विलोम
उन्मुख	विमुख
ऊपर	नीचे
उद्घाटन	समापन
उत्तरायण	दक्षिणायन

शब्द	विलोम
उपमा	अनुपमा
उपयोग	दुरूपयोग
उग्र	सौम्य
उद्यम	निरुद्यम

Toppersnotes
Unleash the topper in you

उत्तम	अधम
उपसर्ग	प्रत्यय
ऊँच	नीच
उत्साह	निरुत्साह
उद्धत	विनीत

उत्थान	पतन
उत्तर	दक्षिण
उपभुक्त	अनुपभुक्त
उर्वर	ऊसर
उत्कृष्ट	निकृष्ट

उद्यमी	आलसी
उच्च	निम्न
उदयाचल	अस्ताचल

(ए, ऐ) –

शब्द	विलोम
एड़ी	चोटी
ऐतिहासिक	अनैतिहासिक
एकाग्र	चंचल

शब्द	विलोम
एकल	बहुल
एकत्र	विकर्ण
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य

(ओ, औ) –

शब्द	विलोम
ओजस्वी	निस्तेज

शब्द	विलोम
औपन्यासिक	अनौपन्यासिक

(क) –

शब्द	विलोम
कनीय	वरीय
कठिन	सरल
कुकृति	सुकृत्य
कदाचार	सदाचार
कसूरवार	बेकसूर
क्रिया	प्रतिक्रिया
कड़वा	मीठा
कृष्ण	शुक्ल
कलंक	निष्कलंक

शब्द	विलोम
कुख्यात	विख्यात
क्रय	विक्रय
कीर्ति	अपकीर्ति
करुण	निष्ठुर
कृतज्ञ	कृतघ्न
क्रुद्ध	शान्त
कर्म	निष्कर्म
कपटी	निष्कपट
कर्कश	सुशील

शब्द	विलोम
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कपूत	सपूत
कुसुम	वज्र
कर्मण्य	अकर्मण्य
कठोर	कोमल
कुरूप	सुरूप
कायर	निडर
कोप	कृपा

(ख) –

शब्द	विलोम
खिलना	मुरझाना
खेद	प्रसन्नता

शब्द	विलोम
खंडन	मंडन
खरा	खोटा

शब्द	विलोम
खीझना	रीझना
खगोल	भूगोल

(ग) –

शब्द	विलोम
गोचर	अगोचर
गद्य	पद्य
गणतन्त्र	राजतन्त्र
गर्मी	सर्दी
गहरा	छिछला

शब्द	विलोम
गीला	सूखा
गुण	दोष
गुप्त	प्रकट
गृहस्थ	सन्यासी
गमन	आगमन

शब्द	विलोम
गृहीत	त्यक्त
ग्राह्य	त्याज्य
गरल	सुधा
गत	आगत
गरीब	अमीर

(घ) –

शब्द	विलोम
घर	बाहर
घृणा	प्रेम

शब्द	विलोम
घात	प्रतिघात
घन	तरल

शब्द	विलोम
घरेलू	बाहरी

(च, छ)–

शब्द	विलोम
चर	अचर
चोर	साधु
चल	अचल
चंचल	स्थिर

शब्द	विलोम
चढाव	उतार
चतुर	मूढ़ / मूर्ख
चेतन	अचेतन
छल	निश्छल

शब्द	विलोम
छाँव	धूप
छूत	अछूत

(ज, झ) –

शब्द	विलोम
जीवन	मरण
जंगम	स्थावर
जय	पराजय
जागरण	निद्रा
जल	स्थल

शब्द	विलोम
ज्योति	तम
जीवित	मृत
ज्वार	भाटा
ज्योतिर्मय	तमोमय
जातीय	विजातीय

शब्द	विलोम
जोड़	घटाव
जड़	चेतन
जन्म	मृत्यु
जागृति	सुषुप्ति
जल्द	देर

(त, थ) –

शब्द	विलोम
ताप	शीत
तम	आलोक
तुच्छ	महान
तामसिक	सात्त्विक
तरल	ठोस

शब्द	विलोम
थोड़ा	बहुत
तीव्र	मन्द
तिमिर	प्रकाश
तुकान्त	अतुकान्त
थोक	फुटकर, खुदरा

शब्द	विलोम
तरुण	वृद्ध
तृष्णा	वितृष्णा
तारीफ	शिकायत
थलचर	जलचर, नभचर
तृषा	तृप्ति

(द) –

शब्द	विलोम
दिन	रात्रि
दीर्घकाय	लघुकाय
दुर्बल	सबल
दाता	याचक
दूषित	स्वच्छ
दुराचारी	सदाचारी

शब्द	विलोम
देव	दानव
दुष्ट	सज्जन
दोषी	निर्दोषी
दुरुप्रयोग	सदुप्रयोग
दास	स्वामी

शब्द	विलोम
दयालु	निर्दय
दानी	कंजूस
दुर्जन	सज्जन
दुर्दान्त	शांत
दुर्गन्ध	सुगन्ध

(ध) –

शब्द	विलोम
धनी	निर्धन
धर्म	अधर्म
धर्मात्मा	दुरात्मा

शब्द	विलोम
धूप	छाँव
धरा	गगन
धृष्ट	विनीत

शब्द	विलोम
ध्वंस	निर्माण
धीर	अधीर

(न) –

शब्द	विलोम
नूतन	पुरातन
निर्माण	विनाश
निरक्षर	साक्षर
निन्दा	स्तुति
नर	नारी
निषिद्ध	विहित
नकारात्मक	सकारात्मक
निराकार	साकार
नमकहराम	नमकहलाल

शब्द	विलोम
निर्मल	मलिन
निर्लज्ज	सलज्ज
नगर	ग्राम
निर्दोष	सदोष
निरर्थक	सार्थक
नश्वर	शाश्वत
निडर	कायर
नरक	स्वर्ग
निश्चेष्ट	सचेष्ट

शब्द	विलोम
नख	शिख
निद्रा	जागरण
निश्छल	छली
निषेध	विधि
न्यून	अधिक
निरामिष	सामिष
नीरस	सरस
निर्जीव	सजीव

(प, फ) –

शब्द	विलोम
पतिव्रता	कुलटा
प्रेम	घृणा
परकीय	स्वकीय
प्राचीन	नवीन
फूट	मेल
फल	निष्फल

शब्द	विलोम
प्रत्यक्ष	परोक्ष
परार्थ	स्वार्थ
पण्डित	मुर्ख
प्रमुख	सामान्य
प्रसाद	विषाद
परमार्थ	स्वार्थ

शब्द	विलोम
प्रशंसा	निन्दा
पुरस्कार	दण्ड
परमार्थ	स्वार्थ
प्रधान	गौण
पानी	आग
पूर्ववत	नूतनवत

पठित	अपठित
प्रतिकूल	अनुकूल
पाप	पुण्य
पूर्ववर्ती	परवर्ती
प्रवृत्ति	निवृत्ति
पराया	अपना

पतन	उत्थान
प्रश्न	उत्तर
परतंत्र	स्वतंत्र
परिश्रम	विश्राम
पूर्णिमा	अमावस्या

पुरातन	नवीन
पतनोन्मुख	विकासोन्मुख
प्राची	प्रतीची
पक्ष	विपक्ष
प्रारम्भिक	अन्तिम

(ब, भ) –

शब्द	**विलोम**
भौतिक	आध्यात्मिक
बन्धन	मुक्ति
बाह्य	अभ्यन्तर
बलवान	बलहीन
भिखारी	दाता

शब्द	**विलोम**
बैर	प्रीति
भोगी	योगी
बुराई	भलाई
भूत	भविष्य
बहिरंग	अन्तरंग

शब्द	**विलोम**
भय	निर्भय
भेद	अभेद
भला	बुरा
भारी	हल्का

(म) –

शब्द	**विलोम**
मानवता	दानवता
मानव	दानव
मिलन	विरह
मुनाफा	नुकसान
मित्र	शत्रु
मिथ्या	सत्य
मृदुल	रुक्ष

शब्द	**विलोम**
मलिन	निर्मल
मधुर	कटु
मौखिक	लिखित
मंगल	अमंगल
मूक	वाचाल
मितव्यय	अपव्यय
मालिक	नौकर

शब्द	**विलोम**
मुख	पृष्ठ
मृत	जीवित
महात्मा	दुरात्मा
माता	पिता
मेहनती	आलसी
मरण	जीवन

(य, र, ल) –

शब्द	**विलोम**
यश	अपयश
योगी	भोगी
राजतन्त्र	जनतन्त्र
रागी	विरागी
लिखित	अलिखित
रूपवान	कुरूप
रुग्ण	स्वस्थ

शब्द	**विलोम**
रक्षक	भक्षक
राग	द्वेष
रिक्त	पूर्ण
राजा	रंक
योग	वियोग
यथार्थ	कल्पित
लौकिक	अलौकिक

शब्द	**विलोम**
रंगीन	बेरंग
लघु	गुरु (दीर्घ)
लिप्त	अलिप्त
लायक	नालायक
रत	विरत
लाभ	हानि
लेन	देन

(व) –

शब्द	**विलोम**
विधवा	सधवा
वसंत	पतझड.
विशुद्ध	दूषित / अशुद्ध
बहिष्कार	स्वीकार
वक्र	सरल, ऋजु, सीधा
विस्तार	संक्षेप
ध्वनीत	धृष्ट
विस्तृत	संक्षिप्त
विशिष्ट	सामान्य
विधि	निषेध
विपन्न	सम्पन्न
वन	मरु

शब्द	**विलोम**
ध्वपद	आपद
वृद्धि	ह्रास
विजय	पराजय
वैतनिक	अवैतनिक
वीर	कायर
वादी	प्रतिवादी
विरत	निरत
विषाद	आहद
विकर्ष	आकर्ष
विकीर्ण	संकीर्ण
विख्यात	कुख्यात
वियोग	संयोग

शब्द	**विलोम**
विरोध	समर्थन
विषम	सम
विवाद	निर्विवाद
व्यस्त	खाली
विपत्ति	सम्पत्ति
व्यास	समास
विसर्जन	सर्जन
विशालकाय	क्षीणकाय
वृहत	लघु
व्यवहारिक	अव्यावहारिक
विश्लेषण	संश्लेषण

(स) –

शब्द	**विलोम**
सौभाग्य	दुर्भाग्य

शब्द	**विलोम**
सुमति	कुमति

शब्द	**विलोम**
सक्रिय	निष्क्रिय

साधु	असाधु
सुपुत्र	कुपुत्र
संक्षेप	विस्तार
सफल	विफल
स्वजाति	विजाति
सार्थक	निरर्थक
सुकर्म	कुकर्म
सहयोगी	प्रतियोगी
स्तुति	निंदा
सुबह	शाम
सजल	निर्जल
सम्मुख	विमुख
सकर्म	निष्कर्म
सगुण	निर्गुण
स्वधर्म	विधर्म
संघटन	विघटन
सत्कर्म	दुष्कर्म

सुर	असुर
सरस	नीरस
सुगंध	दुर्गन्ध
सगुण	निर्गुण
सफल	असफल
संतोष	असंतोष
सशंक	निश्शंक
संन्यासी	गृहस्थ
समष्टि	व्यष्टि
समूल	निर्मल
सुमति	कुमति
सदाशय	दुराशय
अल्पायु	चिरायु
स्मरण	विस्मरण
स्वदेशी	परदेशी
सबल	निर्बल

सज्जन	दुर्जन
साक्षर	निरक्षर
सावधान	असावधान
संधि	विच्छेद / विग्रह
समाज	व्यक्ति
स्वकीया	परकीया
सक्षम	अक्षम
सुलभ	दुर्लभ
सरल	कठिन
स्वदेश	विदेश
सन्तोष	असन्तोष
स्थूल	सूक्ष्म
स्थिर	चंचल
संगत	असंगत
सादर	निरादर
सापेक्ष	निरपेक्ष

(श, ह, क्ष, ज्ञ)

शब्द	विलोम
शुष्क	आर्द्र
शुक्ल	कृष्ण
ह्रस्व	दीर्घ
शुभ	अशुभ
शकुन	अपशकुन
शासक	शासित

शब्द	विलोम
हँसना	रोना
क्षर	अक्षर
शोषक	पोषक
शान्ति	क्रान्ति
श्रीगणेश	इतिश्री
हास	रुदन

शब्द	विलोम
हार	जीत
शयन	जागरण
क्षणिक	शाश्वत
हिंसा	अहिंसा
क्षुद्र	महत

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अंतरंग	बहि रंग	श्लाघा	निंदा
अधित्यका	उपत्यका	सूक्ष्म	स्थूल
अनंत	अंत	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अनुराग	विराग	अज्ञ	विज्ञ / प्रज्ञ / सर्वज्ञ
अक्षत	क्षत	अद्यतन	पुरातन
अनुक्रिया	प्रतिक्रिया	अनुरक्त	विरक्त
अद्य	अनद्य	अनुराग	विराग
अभ्यतर	बाह्य	अभिमुख	प्रतिमुख
आकुंचन	प्रसारण	अस्तेय	स्तेय
ईषत्	प्रचुर	आद्रत	अनाद्रत
उपमेय	उपमान	ईप्सित	अनीप्सित
ऋत	अनृत	ईर्ष्या	प्रेम
ऋजु	वक्र	उग्र	सौम्य
आस्तिक	नास्तिक	उन्मूलन	स्थापन / रोपण
कृत्रिम	प्राकृतिक	कटु	मधुर
कुटिल	उदार	कृतज्ञ	कृतघ्न
जंगम	स्थावर	गरिमा	लघिमा

Toppersnotes
Unleash the topper in you

टूट पूंजिया	धन्नासेठ	ग्रस्त	मुक्त
तामसिक	सात्विक	तृष्णा	वितृष्णा
द्रुत	मंथर	प्रवेश	निर्गम/निकास
निंद्रा	जागरण	मितव्यय	अपव्यय
निषिद्ध	विहित	राग	द्वेष
निंदा	प्रशंसा	विरल	सघन
निरुजता	सरुजता	व्यष्टि	समष्टि
नमक हराम	नमक हलाल	सदाचारी	दुराचारी
विख्यात	कुख्यात	सुरति	विरति
विस्तीर्ण	संकीर्ण	क्षणिक	शाश्वत
वरदान	अभिशाप		
शुक्ल	कृष्ण		

Toppersnotes
Unleash the topper in you